जोधपुर इंटक यूनियनों की राजस्थान सरकार से

संयुक्त अपील

A.I.T.U.C. Received 1349 26/3/66 Replied

आज इस मंहगाई के युग में जहां मजदूरों का जीवन संकटमय हो गया है। मंहगाई प्रति दिन सुरसा के मुंह की भांति अपना विस्तार करती जा रही है, राजस्थान सरकार ने दो सालों से एक पैसा भी नहीं बढ़ाया है। १९६५ में भारत के सभी प्रान्तों ने मंहगाई में काफी बढोतरी की थी। १९६६ में हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब तथा सैन्ट्रल ने काफी मंहगाई बढ़ादी है। लेकिन राजस्थान ने पुन: मंहगाई बढाये जाने के सम्बन्ध में अपने निकम्मेपन का परिचय दिया है।

दिनांक ८ मार्च १९६६ से राजस्थान बिजली विभाग के मजदूरों ने मंहगाई, बोनस तथा राज बीमा योजना को रद्द करवाने के लिये भूख हड़ताल कर रखी है जिसे आज १५वां दिन चल रहा है। आज समस्त यूनियनों के सामने एक प्रश्न है वह यह कि क्या भूख हडताल द्वारा प्राप्त मांगों का फायदा हमें न मिलेगा? क्या हमारी और उनकी आर्थिक व सामाजिक समस्यायें एक नहीं हैं। आज वह समय आ गया है जबकि सभी वर्ग के मजदूरों को मंहगाई से मुकाबला करने के लिये एक हो जाना चाहिये चाहे वह किसी भी संघ तथा यूनियनों का अनुयायी क्यों न हो। प्रान्तीय बिजली कर्मचारी फेडरेशन भी उपरोक्त मांगों को प्राप्त करने के लिये काफी प्रयत्न करता आ रहा है और करता रहेगा। ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है।

हम इन्टक के पूर्ण अनुयायी हैं दोनों की मांगें लगभग एक ही हैं। इसी नाते जोधपुर यूनियनों की तथा संघ की राजस्थान सरकार से अपील है कि जो हमारे भाई भूख हड़ताल कर अपने और हमारे आर्थिक ढांचे को मजबूत करने के लिये मौत की गोद में बैठे हुए हैं उन्हें उनकी मांगों को पूर्ण कर मृत्यु के मुंह में जाने से बचाया जाय। इन्टक यूनियनों की भूख हड़तालियों के प्रति पूर्ण सहानुभूति है और राजस्थान सरकार से पूर्ण आशा करता है कि अगर राजस्थान सरकार राजस्थान में इन्टक को जिन्दा रखना चाहती है तो मजदूरों की उपरोक्त मांगों को शीघ्र पूरा किया जाय अन्यथा राजस्थान से इन्टक का अस्तित्व खतरे में पड़ जायगा।

विनीत,

श्यामलाल शर्मा

मन्त्री

राष्ट्रीय बिजली कर्मचारी संघ, जोधपुर

दिनांक २२-३-६६

अन्डर ग्रोन्ड वाटर बोर्ड कर्मचारी यूनियन, जोधपुर।

राष्ट्रीय वायुसेना चतुर्थ श्रेणी (सिविलियन) कर्मचारी संघ, जोधपुर

राष्ट्रीय बिजली कर्मचारी संघ, जोधपुर।

नेशनल प्रिन्टर्स, जोधपुर।